ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ताई

कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : २
पाठ का नाम : ताई
PPT-1

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

लेखक परिचय

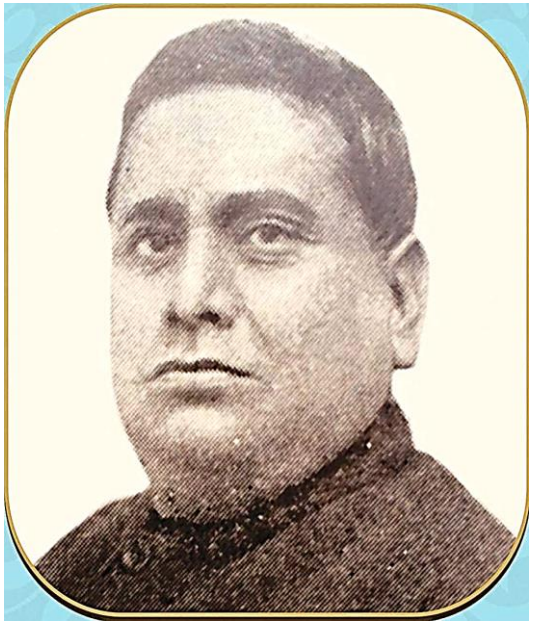

विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक '

विश्वंभरनाथ शर्मा 'कौशिक ' का जन्म 1891 में पंजाब के अंबाला नामक नगर में हुआ था ।ये प्रेमचंद परंपरा के ख्याति प्राप्त कहानीकार थे । इनकी अधिकांश कहानियाँ चरित्र प्रधान हैं । इनकी ताई कहानी हिंदी की श्रेष्ठ कहानियों में से एक है ।इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं -- माँ ,भिखारिणी, खोटा बेटा ,चित्रशाला आदि ।इनका निधन 1945 में हुआ ।

चिंतन- मनन

बच्चे प्यार के भूखे होते हैं ।उनके साथ स्नेहपूर्वक व्यवहार करने से वे भी उसी प्रकार स्नेहपूर्ण व्यवहार करते हैं ।वास्तव में नन्हे- मुन्ने भगवान के स्वरूप होते हैं ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पात्र परिचय

मनोहर

पिताजी

कृष्णदास

पिताजी के बड़े भाई

(मनोहर के ताऊजी)

बाबू रामजीदास

ताऊजी की पत्नी

(मनोहर की ताई)

रामेश्वरी

छोटी बहन

चुन्नी

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ प्रवेश

इस कहानी का मूलभाव यह है कि स्नेह व प्रेम का स्थान ऊँचा है। यह अपने - पराए की भावना से प्रभावित नहीं होता । बच्चे सभी के लिए समान होते हैं । उनमें निश्छलता होती है। उनका किसी से कोई स्वार्थ नहीं होता है। वे जो कुछ भी करते हैं स्वाभाविक गुणों के कारण करते हैं। बच्चे प्यार के भूखे होते है। उनके साथ स्नेहपूर्वक व्यवहार करने से वे भी उसी प्रकार स्नेहपूर्ण व्यवहार करते हैं। वास्तव में नन्हें - मुन्ने भगवान के स्वरूप होते हैं। यह मान लेना कि अपनी संतान ही प्यारी होती है । यह बहुत बड़ी भूल है। इस कहानी में इस बात को मर्मस्पर्शी तरीके से व्यक्त किया गया है।

संबंधित प्रश्न –

१. इस कहानी का मूलभाव क्या है?
२. २. बच्चों में कौन - सी भावना नहीं होती है?
३. ३. बच्चे---------- के भूखे होते हैं।
४. ४. बच्चे स्नेहपूर्ण व्यवहार कब करते हैं?
५. ५. इस कहानी में इसे किस तरह व्यक्त किया गया है?

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

सामान्य उद्देश्य –

कहानी का अर्थ समझने के लिए छात्रों को तैयार करना ।
छात्रों के शब्द भंडार को समृद्ध
करना ।
कठिन शब्दों के शुद्ध उच्चारण तथा वर्तनी पर बल देना ।
विराम - चिह्नों का प्रयोग , मुहावरों के अर्थ बताना तथा उनका वाक्यों में प्रयोग सिखाना ।
कहानी को रोचक ढंग से सुनाने की कला सिखाना ।

विशिष्ट उद्देश्य –

बच्चों को स्वाभाविक गुणों के बारे में बताना ।
कहानी का अर्थ समझकर उसे जीवन में उतारने का सामर्थ्य जगाना ।
बच्चों को परस्पर प्रेम व स्नेह की भावना के लिए प्रेरित करना ।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पाठ का सार

लेखक ने इस कहानी के माध्यम से यह बताया है कि किस प्रकार बच्चों के प्यार से कोई अपनी पुरानी धारणा को भूल जाता है। इस कहानी में बाबू रामजीदास की पत्नी श्रीमती रामेश्वरी देवी हैं। वह नि:संतान हैं। बाब रामजीदास अपने भाई कृष्णदास के पाँच वर्षीय पुत्र मनोहर को बहुत प्यार करते हैं। उसे प्राणों से भी प्यारा मानते हैं, पर श्रीमती रामेश्वरी देवी को यह सब बिलकुल अच्छा नहीं लगता, वह मनोहर को दूसरे का बेटा और पराया धन कहती हैं। उन्हें रामजीदास बार-बार समझाने का प्रयास करते हैं, परंतु रामेश्वरी देवी मनोहर को अपनी संतान की तरह मानने को तैयार नहीं होती। प्रेम की भाषा तो बच्चे भी अच्छी तरह समझते हैं। अपनी ताई रामेश्वरी देवी के व्यवहार से मनोहर भी खुश नहीं रहता है। वह हर बार अपनी मीठी बोली से रामेश्वरी देवी को खुश करने की कोशिश करता है। इतना सब होते हुए भी रामेश्वरी में एक माँ के सभी गुण विद्यमान थे। वह केवल इस बात से चिढ़ती थी कि अपनी संतान न होते हुए भी उसके पति मनोहर को प्राणों से अधिक मानते थे। किंतु एक ऐसी घटना घटती है जिसके बाद से रामेश्वरी देवी मनोहर और उसकी बहन चुन्नी दोनों को बहुत प्यार करने लगती हैंऔर वे दोनों रामेश्वरी के प्राणाधार बन जाते हैं।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow